

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्

वर्ष-4 अंक-4 01 अप्रैल 2021



इस अंक म	पू
वृद्धावस्था देखमाल कोर्स प्रारम्भ / कुलपति FRAV से सम्मानित	2
कुलपति महोदय DRDO में मुख्यातिथि / विभिन्न विशिष्ट अतिथियों	3
का विश्वविद्यालय आगमन	
विश्वविद्यालय में कार्यरत विभिन्न संकाय सदस्यों की पदोन्नति/	4
स्थानान्तरण/सेवानिवृत्ति/मनोनयन सम्बन्धी समाचार	
चित्र वीथिका	5,6
विविधा	7
चतुर्थ दीक्षान्त समारोह के सर्वोच्च उपाधिधारक/व्याख्यान व	8

कुलपति सन्देश



वर्ष 2020 की बडी चुनौती कोरोना के रूप में हमारे सामने थी और उस चुनौती का सामना विश्वविद्यालय परिवार ने कटिबद्ध होकर किया। अध्ययन—अध्यापन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने सर्वप्रथम शैक्षणिक पोर्टल की शुरुआत करके छात्रों के अध्ययन हेतु बड़ी संख्या में आयुर्वेद, यूनानी, योग व प्राकृतिक चिकित्सा एवं होम्योपैथी के विषय विशेषज्ञों के वीडियो लेक्चर उपलब्ध करवाये। जगह—जगह आयुर्वेद शिविरों के माध्यम से जनसामान्य हेतु निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं औषध वितरण का कार्य पूरी निष्ठा के साथ किया गया।

गिलोय घनवटी के कोरोना रोगियों पर किये गये सफल अनुसंघान की विश्व स्वास्थ्य संगठन की शोध पत्रिका में उपस्थिति दर्ज होने से वैश्विक स्तर पर हमारी साख मजबत हुई।

वर्ष 2021 में ऐसी आशा जगी कि अब कदाचित् इस वैश्विक महामारी पर हमने नियन्त्रण पा लिया है। परन्तु पूर्ण निरामयता का स्वप्न अभी भी कुछ आशंकाओं के साथ घिरा था। इसी कारण रोग की भयावहता को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना गाडलाईन की अनुपालना करते हुए इसके चतुर्थ दीक्षान्त समारोह का वर्चुअल मोड में गरिमामय एवं सफल आयोजन किया गया। इसी प्रकार विद्यार्थियों के परीक्षा कार्यों का सम्पादन एवं परिणाम भी समय पर घोषित कर विश्वविद्यालय ने अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय केन्द्र ने निरन्तर होने वाले ऑनलाइन व्याख्यानों की श्रृंखला भी निर्वाध रूप से संचालित की। गोदग्राम घडाव एवं झालामण्ड में बेहतर चिकित्सा सुविधाओं एवं शैक्षणिक स्तर के सम्बर्द्धन के लिये विशेषज्ञ चिकित्सकों के निष्ठापूर्वक प्रयासों से हमारा विश्वविद्यालय निरन्तर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। लॉकडाउन के मद्देनजर विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन कक्षाएं भी निर्वाध रूपेण संचालित की जा रही हैं।

इस प्रकार विश्वविद्यालय परिवार निष्ठापूर्वक एवं पूर्ण मनोयोग से सम्पादित की जा रही विभिन्न सामान्य व विशिष्ट गतिविधियों एवं स्वास्थ्य संरक्षण कार्य के कुशल प्रबन्धन से मैं अत्यन्त गौरवान्वित हूँ। मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय आगे भी इसी तरह की विभिन्न उपलब्धियों को अर्जित करता रहेगा।

Supering Same

विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह वर्चुअल मोड में आयोजित

प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार





विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपित श्री कलराज मिश्र के मुख्यातिथ्य एवं राजस्थान सरकार में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री रघु शर्मा की अध्यक्षता में 19 जनवरी 2021 को कोरोना संक्रमणकालीन परिस्थितियों के कारण वर्चुअल माध्यम से सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्यातिथ्य कुलाधिपित श्रो कलराज मिश्र द्वारा विश्वविद्यालय के सत्र 2018—19 बैच के आयुर्वेद संकाय में यूजी स्तर पर बीएएएएस के 365, बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग के 23, पीजी स्तर पर एमडी/एमएस के 144 व पीएचडी स्तर पर 21, होम्योपैथी संकाय में यूजी स्तर पर बीएचएमएस के 238 व पीजी के स्तर पर एमडी के 8, यूनानी संकाय में यूजी स्तर पर बीएएएएस के 97 तथा योग व प्राकृतिक चिकित्सा संकाय में यूजी स्तर पर बीएनवाईएस के 53, इस प्रकार समस्त संकायों में कुल 949 अभ्यर्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। समारोह में संकायवार यूजी स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने

वाले अभ्यर्थियों को कुलाधिपति द्वारा उपाधियां एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये (इनकी सूची अंतिम पृष्ठ पर अंकित है)। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में माननीय कुलाधिपति ने कहा कि वर्तमान काल की संकटग्रस्त परिस्थितियों में आयुर्वेदीय चिकित्सा पद्धति ने सक्रिय भूमिका निर्वहन की है। उन्होने वेद, पुराण, उपनिषद सहित उपलब्ध विभिन्न संस्कृत ग्रन्थों में निहित आयुर्वेदीय ज्ञान पर विस्तृत शोध हेतु सुनिश्चित योजना बनाने हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण व आयुर्वेद मंत्री श्री रघु शर्मा ने अपने उद्बोधन में आयुर्वेदीय औषधियों से किसी भो प्रकार के हानिकारक प्रभावों के न होने का उल्लेख किया व आयुर्वेद चिकितस पद्धित को प्राकृतिक व निरापद होने से श्रेष्ठतम चिकित्सा पद्धित बताया।

विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं गतिविधियों से अवगत करवाया। कुलसचिव एवं कार्यक्रम संचालिका श्रीमित सीमा कविया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में





विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल व विद्या परिषद् के सदस्य, माननीय राज्यपाल के सचिव श्री सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्दराम जायसवाल सहित विश्वविद्यालय के वित्त नियन्त्रक श्री तुलसीदास शर्मा, प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल सहित समस्त अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी ऑनलाइन उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय द्वारा वृद्धावस्था देखमाल प्रशिक्षण (Old Age Care) हेतु नवीन त्रैमासीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रारम्भ



विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभाग के अन्तर्गत वयोवृद्ध जनों के स्वास्थ्य एवं देखमाल की विकट समस्या को ध्यान में रखते हुए वृद्धावस्था देखमाल (Old Age Care) प्रशिक्षण के रूप में एक त्रैमासिक नवीन पाठ्यक्रम का विधिवत् शुभारम्म माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर के न्यायाधीश श्री सन्दीप मेहता एवं कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार द्वारा 10 मार्च 2021 को कड़वड़ स्थित परिसर में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। इस अवसर पर कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष व पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. प्रमोद

मिश्रा ने पाठ्यक्रम कीं जानकारी प्रदान की। मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधीश महोदय ने इस पुनीत कल्पना को मूर्त रूप देने हेतु विश्वविद्यालय की प्रशंसा की। कुलपित प्रो. अभिमन्यु कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय सामाजिक भागीदारी एवं जनस्वास्थ्य हेतु प्रतिबद्ध है। कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, वित्त नियन्त्रक श्री तुलसी दास शर्मा, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, डीन एकेडिमक प्रो. महेन्द्र शर्मा, चीफ प्रॉक्टर डॉ. राकेश शर्मा, पाठ्यक्रम सह— समन्वयक कायिचिकित्सा विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. विनोद गौतम सिहत कई अधिकारी, संकाय सदस्य व शोध अध्येता उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन कौमारमृत्य विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेमप्रकाश व्यास व धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव सीमा कविया ने किया।

कुलपति प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ फैलोशिप से सम्मानित

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के स्वायत्तशासी निकाय राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली के 24वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर 22 मार्च 2021 को केन्द्रीय आयुष मंत्री श्री श्रीपद येसो नाइक ने कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार को उनके राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेद शिक्षा, चिकित्सा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में दिये गये महत्त्वपूर्ण योगदान के फलस्वरूप ''फेलो ऑफ राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (FRAV)'' से सम्मानित किया। समारोह में केन्द्रीय आयुष सचिव वैद्य राजेश



कोटेचा व विद्यापीठ के शासी निकाय के अध्यक्ष वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा क्रमशः विशिष्ट अतिथि व अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रो. अभिमन्यु कुमार द्वारा कोविड—19 के प्रबन्धन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में प्रभावी गिलोय घन वटी पर किये गये शोध—कार्य को अपने सन्दर्भ—संग्रह में शामिल करके आयुर्वेद की भूमिका एवं महत्त्व को विश्व स्तर पर रेखांकित किया था। प्रो. कुमार के इस योगदान से आयुर्वेद विज्ञान एवं विश्वविद्यालय को वैश्वक पटल पर प्रसिद्धि प्राप्त हुई।

विश्वविद्यालय के कुलपित नियुक्त होने से पूर्व प्रो. कुमार उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपित, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसन्धान परिषद् (CCRAS) के महानिदेशक व राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में प्रोफेसर पद पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. कुमार ने कानपुर विश्वविद्यालय से स्नातक, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से बालरोग में एम.डी. एवं पीएच.डी., अन्नामलाई यूनिवर्सिटी से एप्लाईड साईकोलोजी में एम.एससी व मियामी यूनिवर्सिटी, अमेरिका से प्रोटेक्शन ऑफ ह्यूमन सोशियल बिहेवियर रिसर्च में अध्ययन किया है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी, 1 अप्रैल 2021

कुलपति प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर द्वारा आयोजित राजभाषा वैज्ञानिक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर द्वारा 15—16 मार्च 2021 को आयोजित राजमाषा वैज्ञानिक संगोष्ठी में कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में आयोजकों को राजभाषा के उन्नयन हेतु प्रतिवर्ष किये जाने वाले इस आयोजन हेतु बधाई दी। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के डॉ. संजय श्रीवास्तव, असिस्टण्ट प्रोफेसर, शल्य तन्त्र ने कोविड—19 में आयुर्वेद की भूमिका, डॉ. मोनिका वर्मा, असिस्टण्ट प्रोफेसर, मौलिक सिद्धान्त ने संस्कृत वांड्मय में गोधन एवं डॉ. रिश्म शमा, एसोसियेट प्रोफेसर, स्त्री रोग व प्रसूति तन्त्र ने आयुर्वेदीय गर्भिणी परिचर्या का वर्तमान काल में उपयोग विषय पर प्रभावी व्याख्यान प्रस्तुत किये।



राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के शासी निकाय के अध्यक्ष वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा का विश्वविद्यालय में आगमन



राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के शासी निकाय के अध्यक्ष वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा का दिनांक 25 जनवरी 2021 को विश्वविद्यालय में आगमन हुआ। इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने उनका साफा पहना कर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, नयी दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश त्यागी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में कुलपित महोदय ने वैद्य त्रिगुणा जी को विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली एवं इसके द्वारा सम्पादित की जा रही विभिन्न गतिविधियों एवं नवाचारों

के बारे में जानकारी दी। वैद्य त्रिगुणा ने इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के उन्नयन हेतु आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ द्वारा किये जा रहे नवाचारों एवं अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, वित्त नियन्त्रक श्री तुलसी दास शर्मा, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, डीन एकेडिमक प्रो. महेन्द्र शर्मा, चीफ प्रॉक्टर डॉ. राकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, संकाय सदस्य एवं शोध अध्येता उपस्थित थे।

बोर्ड ऑफ इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन, पंजाब के अधिकारियों का विश्वविद्यालय आगमन

बोर्ड ऑफ इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन, पंजाब के रजिस्ट्रार डॉ. संजीव गोयल, वाइस चैयरमैन डॉ. जगजीत सिंह एवं सदस्य डॉ. मनराज सिंह का शासकीय कार्य से दिनांक 19 फरवरी 2021 को विश्वविद्यालय में आगमन हुआ। इस अवसर पर कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। कुलपित महोदय ने उन्हें विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली एवं इसके द्वारा सम्पादित की जा रही विभिन्न गतिविधियों एवं नवाचारा के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, क्रिया शारीर विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा व सीसीआईएम के पूर्व सदस्य डॉ. आदम सिसोदिया उपस्थित थे।



विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय परिसर में मकर संक्रान्ति के अवसर पर 14 जनवरी 2021 को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने नीम का पौधा लगा कर वृक्षारोपण का शुभारम्म किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सोमा कविया, वित्त नियन्त्रक श्री तुलसीदास शर्मा, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, डीन एकेडिमक प्रो. महेन्द्र शर्मा, चीफ प्रॉक्टर एवं केन्द्रीय पुस्तकालय प्रभारी डॉ. राकेश शर्मा सिहत उपस्थित संकाय सदस्यों व केन्द्रीय पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया।



डॉ. मोनिका वर्मा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के संस्कृत विषय में पाठ्यक्रम व अघ्ययन समिति की सदस्य



यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद में मौलिक सिद्धान्त विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. मोनिका वर्मा को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपित द्वारा संस्कृत भाषा में उनकी विद्वता को देखते हुए संस्कृत विषय में पाठ्यक्रम व अध्ययन समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। डॉ. वर्मा का कार्यकाल मनोनयन की तिथि से तीन वर्ष का होगा। ज्ञातव्य है कि डॉ. वर्मा इस विश्वविद्यालय की समाचारिकी के सहसम्पादक के दायित्व का भी कुशलता से वहन कर रही हैं।

डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी, 1 अप्रैल 2021

विश्वविद्यालय में विभिन्न संकाय सदस्यों की पदोन्नति/स्थानान्तरण/सेवानिवृत्ति/मनोनयन

विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों की पदोन्नति

कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार द्वारा फरवरी 2021 में विश्वविद्यालय शिक्षकों की चिर लिम्बत पदोन्नित की मांग को पूरा करते हुए विभिन्न विभागों में संकाय सदस्यों के पदोन्नयन के आदेश जारी किये गये। तदनुसार मालिक सिद्धान्त विभाग में डॉ. मनोज शर्मा, अगद तन्त्र विभाग में डॉ. परमानन्द उपाध्याय, पंचकर्म विभाग में डॉ. महेश कुमार शर्मा, रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग में डॉ. गोवन्द प्रसाद गुप्ता, शल्य तन्त्र विभाग में डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, द्रव्य गुण विभाग में डॉ. चन्द्रन सिंह, शरीर क्रिया विभाग में डॉ. राजेश कुमार शर्मा, कायचिकित्सा विभाग में डॉ. प्रमोद मिश्रा, स्त्री रोग एवं प्रसूति तन्त्र विभाग में डॉ. ए. नीलिमा एवं शालाक्य तन्त्र विभाग में डॉ. राजबीर सिंह को कार्यव्यस्थार्थ प्रोफेसर पद पर पदोन्नित दी गई। इसी प्रकार मौलिक सिद्धान्त विभाग में डॉ. देवेन्द्र सिंह चाहर, अगद तन्त्र विभाग में डॉ. ऋतु कपूर, पंचकर्म विभाग में डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग में डॉ. अरुण दाधीच, शल्य तन्त्र विभाग में डॉ. विष्णु दत्त शर्मा, द्रव्य गुण विभाग में डॉ. राजेन्द्र सिंह पूर्विया व डॉ. मनोज अदलखा, शरीर क्रिया विभाग में डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, कायचिकित्सा विभाग में डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, रत्री रोग एवं प्रसूति तन्त्र विभाग में डॉ. रिश्म शर्मा, शरीर रचना विभाग में डॉ. श्योराम शर्मा, रसशास्त्र विभाग में डॉ. मनीषा गोयल एवं कौमारमृत्य विभाग में डॉ. हरीश सिंघल को कार्यव्यस्थार्थ एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पदोन्नित दी गइ। समस्त संकाय सदस्यों ने इस अवसर पर सामृहिक रूपेण कुलपित महोदय का इस चिरलम्बित मांग को पूरा करने पर हार्दिक आभार जताया।

डॉ. दिनेश राय आयुर्वेद नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, मगरा पूँजला के प्राचार्य नियुक्त

स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार राय को कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार द्वारा श्री कनीराम सालगराम नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, मगरा पूँजला का प्राचार्य नियुक्त किया गया। डॉ. दिनेश राय ने 2 फरवरी 2021 को प्राचार्य पद का कार्यभार गहण किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षकों एवं कार्मिकों ने उनका हर्षोल्लास पूर्वक माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया।



विभिन्न संकाय सदस्यों का उनके मूल आयुर्वेद विभाग में स्थानान्तरण

विश्वविद्यालय में गत त्रिमास में आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत रोग विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर एवं प्राचार्य, आयुर्वेद नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, मगरा पूँजला डॉ. बृजबिहारी मिश्रा, स्वस्थवृत्त विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. राकेश गौड़, अगद तन्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. किवता शर्मा एवं डॉ. सुनीता गोदारा, पंचकर्म विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रीति स्वामी का स्थानान्तरण उनके मूल आयुर्वद विभाग में हो गया। सभी शिक्षकों ने कार्यमुक्त होकर आयुर्वेद विभाग में कार्यभार ग्रहण कर लिया हैं। इनके अतिरिक्त स्वस्थवृत्त विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. राहुल पाराशर भी राजस्थान सरकार द्वारा नवगठित योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड के सदस्य सचिव नियुक्त होने पर विश्वविद्यालय से कार्यमुक्त होकर उक्त बोर्ड में कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं। सभी शिक्षकों को विश्वविद्यालय परिवार की ओर से भावभानी विदाई दी गई।

मौलिक सिद्धान्त विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार शर्मा सेवानिवृत्त

मौलिक सिद्धान्त विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार शर्मा दिनांक 31 मार्च 2021 को अपना गरिमामय सेवा कार्यकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर उन्हें मौलिक सिद्धान्त विभाग के स्तर पर एवं उसके पश्चात् विश्वविद्यालय के स्तर पर भावभीनी विदाई दी गई। अपने उद्बोधन में कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने प्रो. शर्मा की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उनके दीर्घ व स्वस्थ जीवन हेतु शुभकामनाएं दीं और माला, साफा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, वित्त नियन्त्रक श्री तुलसी दास शर्मा, प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, डीन



एकेडिंमिक प्रो. महेन्द्र शर्मा व शरीर क्रिया विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने भी प्रो. शर्मा की उपलिक्ष्यों को याद किया। प्रो. मनोज शर्मा ने विश्वविद्यालय में गुज़ारे हुए समय को याद किया व समस्त शिक्षकों व सहकार्मिकों का उनके सहयोग के लिए आभार जताया। दोनों कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में अधिकारी, संकाय सदस्य, कार्मिक और छात्र उपस्थित थे।

डॉ. देवेन्द्र सिंह चाहर मौलिक सिद्धान्त विभागाध्यक्ष

कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार द्वारा प्रो. मनोज शर्मा के 31 मार्च 2021 को सेवानिवृत्त होने पर डॉ. देवेन्द्र सिंह चाहर, एसोसिएट प्रोफेसर को मौलिक सिद्धान्त विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. चाहर ने विभागाध्यक्ष पद पर 1 अप्रैल 2021 को कार्यभार ग्रहण कर लिया है।





RAJBIL/2017/74087

चित्र वीथिका



पूर्व कुलपति प्रो. बनवारी लाल गौड़ उनके पचहत्तरवें जन्मदिवस पर प्रकाशित ग्रन्थ कौस्तुभवैभवम् की प्रति केन्द्रीय पुस्तकालय हेतु कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार को भेंट करते हुए।



कुलपित प्रो. अभिमन्युकुमार कोविड संक्रमण से बचाव हेतु विश्वविद्यालय चिकित्सालय में स्थापित वैक्सीनेशन केन्द्र में दिनांक 1 फरवरी 2021 को वैक्सीन लगवाते हुए



प्रो. राजेश शर्मा,विभागाध्यक्ष, क्रिया शारीर विभाग राज्य स्तरीय सम्मान राजस्थान गौरव से दिनांक 7 फरवरी 2021 को सम्मानित



विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 16 फरवरी 2021 को बसन्त पंचमी के अवसर एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित



माननीय कुलपति महोदय द्वारा श्री विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर एवं कनीराम सालगराम नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, मगरा पूंजला, जोधपुर में आयोजित गणतन्त्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज का गरिमामय आरोहण



श्री एम एल निर्वाण होम्योपैथी महाविद्यालय एवं रिसर्च सेन्टर बीाकानेर में आयोजित गणतन्त्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज का गरिमामय आरोहण किया गया।



यूनिवर्सिटी कॉलंज ऑफ यूनानी, टोंक में गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज का गरिमामय आरोहण



श्री शिरड़ी साइ बाबा आयुर्वेद कॉलेज, किशनगढ रेनवाल में 8 मार्च 21 महिला दिवस पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी, 1 अप्रैल 2021



विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग के अन्तर्गत फार्मेसी में स्वणवंग का निर्माण किया गया।



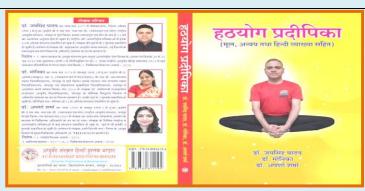
आरोग्य होम्योपैथिक मेडिकल मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा ग्राम रानियावास में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।



राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के गुरु गुजरात के वैद्य पांचाभाई दमानिया का 18 फरवरी 2021 को आयुर्वेद चिकित्सा विषय पर व्याख्यान सम्पन्न



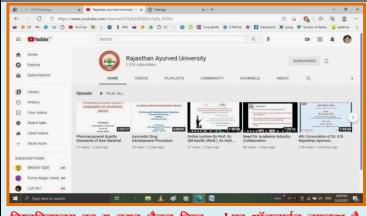
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में विश्व यूनानी दिवस पर 11 फरवरी 2021 को कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



मौलिक सिद्धान्त विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. मोनिका वर्मा (ये इनकी चौथी पुस्तक है) व सहलेखक डॉ. जयसिंह यादव एवं डॉ. अपर्णा यादव द्वारा लिखित पुस्तक हटयोग प्रदीपिका प्रकाशित



स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 30 जनवरी 2021 को प्राचार्या एवं होम्योपैथी संकाय की डीन प्रो. योगेश्वरी गुप्ता के नेतृत्व में दांतली ग्राम में स्वास्थ्य शिविर आयोजित



विश्वविद्यालय का यू ट्यूब चैनल निम्न url पर ऑनलाईन उपलब्ध है https://www.youtube.com/channel/UCIpfcLtRQbZu7qIla_RSi5w



विश्वविद्यालय का फेसबुक पेज निम्न url पर ऑनलाईन उपलब्ध है https://www.facebook.com/rajasthan.ayurved.university

वेविधा

आयुर्वेद विज्ञान व आधुनिक तकनीक के परस्पर सहयोग पर आधारित शोध हेतु आइआइटी जोधपुर से एमओयू

आयुर्वेद के प्राचीन स्वास्थ्य विज्ञान एवं आधुनिक तकनीक के परस्पर सहयोग पर आधारित अनेक शोधपरक परियोजनाओं पर कार्य करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) जोधपुर के निदेशक प्रो. शान्तनु चौधरी ने एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस एमओयू से दोनों संस्थान शैक्षणिक व अनुसंधान गतिविधियों को साझा कर सकेंगे एवं क्लिनिकल एवं शोध प्रयोगशालाओं का परस्पर उपयोग करते हुए शैक्षणिक एवं शोध कार्यों का संचालन करेंगे। एमओयू में प्रस्तावित गतिविधियों के अन्तर्गत आधुनिक तकनीक एवं मापदण्डों के माध्यम से आयुर्वेद के सिद्धान्तों के अनुसार व्यक्ति की प्रकृति को परिभाषित करने में महत्त्वपूर्ण मदद



मिलेगी। इससे वात-पित्त-कफ प्रकृति के व्यक्ति विशेष के लिए हितकर खान-पान एवं दिनचर्या का निर्देशन सम्भव हो सकेगा। तकनीक के माध्यम से आयुर्वेदीय औषिधयों के फार्मेको-डायनेमिक्स का विश्लेषण किया जा सकेगा। नाड़ी-परीक्षा, पंचकर्म इत्यादि कि विभिन्न उपकरणों का तकनीक के माध्यम से विकास होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, विश्वविद्यालय में एमओयू प्रभारी प्रो. ए. नीलिमा भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

नये BAMS 2020 बैच के विद्यार्थियों हेतु इन्डक्शन प्रोग्राम आयांजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर के सत्र 2020—21 में नवप्रवेशित छात्रों हेतु एक सात दिवसीय इन्डक्शन कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 1 मार्च 2021 से किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत नवप्रवेशित छात्रों को आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के अध्यापन से पूर्व शिक्षण—प्रशिक्षण के मूल—भूत सिद्धान्तों, विभिन्न नवाचारों, विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं इनके लाम हेतु नियत प्रक्रियाओं, तकनीकी कौशल से



सम्बन्धी ज्ञान, व्यक्तित्व विकास आदि के ज्ञान हेतु विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं जोधपुर में स्थित विभिन्न महत्त्वपूर्ण संस्थाओं से विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किये गये। कार्यक्रम के अन्तिम दिन छात्रा को जोधपुर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से रूबरू करवाने हेतु सुमेर संग्रहालय एवं अरबन हॉट का भ्रमण कार्यक्रम का आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय का टेबल कैलेण्डर एवं फेसबुक पेज की तरह यू ट्यूब चैनल प्रारम्भ

कुलपित प्रो. अभिमन्यु कुमार के मार्गदर्शन में पहली बार विश्वविद्यालय का स्वयं का वर्ष 2021 का टेबल कैलेण्डर जारी किया गया। इस में वर्ष भर के शैक्षणिक कैलेण्डर सिहत विश्वविद्यालय के सभी आंगिक शिक्षकों व आंगिक एवं सम्बद्ध संस्थाओं का विवरण भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इसको और अधिक आकर्षक बनाते हुए इसमें प्रत्येक पृष्ठ पर विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों यथा प्रशासनिक खण्ड, महाविद्यालयों, चिकित्सालयों, केन्द्रीय पुस्तकालय, फार्मेसी आदि के भवनों के चित्र भी संक्षिप्त परिचय सिहत दिये गये हैं।

इसके अतिरिक्त कुलपित महोदय के मार्गदर्शन में ही पूर्व में स्थापित फेसबुक पेज की तरह ही विश्वविद्यालय का स्वयं का यू ट्यूब चैनल भी अब अस्तित्व में आ गया है। अब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों को यू ट्यूब चैनल पर भी अपनी सुविधानुसार देखा जा सकता है। मानव संसाधन विकास केन्द्र व अन्य विभागों द्वारा आयोजित विभिन्न व्याख्यानों सहित 19 जनवरी 2021 को आयोजित वर्चुअल चतुर्थ दीक्षान्त समारोह की रिकार्डिंग भी इस चैनल पर उपलब्ध है। फेसबुक पेज व यू ट्यूब चैनल के url चित्र वीथिका में दोनों के कवर पेज के चित्र सहित पृष्ठ 6 पर अंकित हैं।

रविवार Sunday	3 31	8-y 3	9 २ 10	s 17	99 24
सोमवार Monday		ε 4	93 11	₄ 18	9 २ 25
मंगलवार Tuesday		. 5	98 12	ε 19	93 26
बुधवार Wednesday		_e 6	13 अमावस्था	。 20	98 27
गुरुवार Thursday		e 7	14 प्राप श. 9	₋ 21	28 पूर्विसा
शुक्रवार Friday	۽ 1	90 8	a 15	e 22	29
शनिवार Saturday	, 2	99 9	3 16	₉₀ 23	₂ 30

विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल, विद्या परिषद् एवं वित्त समिति का उपवेशन

दिनांक 12. जनवरी व 15 जनवरी .2021 को क्रमशः विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल, विद्या परिषद् एवं वित्त समिति के उपवेशन कुलपित प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के केन्द्रीय परिसर स्थित सभागार कक्ष में सम्पन्न हुए। इनमें चतुर्थ दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित विभिन्न औपचारिकताओं, सेवानियामों में संशोधन, शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारियों की पदोन्नित आदि अनेक महत्वपूर्ण नीतिगत विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाकर निर्णय लिए गये। इसी प्रकार वित्तीय समिति के उपवेशन में विश्वविद्यालय से सम्बन्धित विभिन्न वित्तीय स्वीकृतियों हेतु समिति सदस्यों की सहमित से निर्णय लिये गये।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी, 1 अप्रैल 2021

नवीन आयुष कॉलेज खोलने, पी.जी पाटुयक्रम व सीटें बढाने के लिए नीति बनाने हेतू राज्य स्तरीय समिति का उपवेशन सम्पन्न

कुलपति प्रो. डॉ. अभिमन्यू कुमार की अध्यक्षता में 25 मार्च 2021 को राज्य में नवीन आयुष महाविद्यालय खोले जाने, पी.जी पाठयक्रम हेत् अनुमति एवं सीट बढाने सम्बन्धी गाइडलाइन विकसित करने हेत् गठित समिति का उपवेशन विश्वविद्यालय के करवड़ परिसर में आयोजित हुआ जिसमें सदस्य सचिव के रूप में श्रीमती सीमा कविया, कुलसचिव, डॉ. महेन्द्र सिंह, उपकुलसचिव, प्रो. महेश दीक्षित, डीन (आयुर्वेद संकाय) व प्राचार्य, श्री म.मो.मा.राजकोय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर (ऑनलाईन), डॉ. आनन्द शर्मा, अतिरिक्त निदेशक, आयुर्वेद विभाग, अजमेर (ऑनलाईन), डॉ. रमेश शर्मा, रिजस्ट्रार, इण्डियन मेडिसिन बोर्ड, राजस्थान (ऑनलाईन), डॉ. अंकेश सिंह, डीन (योग व प्राकृतिक चिकित्सा संकाय), डॉ. रेण बंसल, निदेशक होम्योपैथी (ऑनलाईन), डॉ. अरशद अली, प्रतिनिधि, निदेशक, यूनानी विभाग, डॉ. केशव भारद्वाज, प्रतिनिधि, निदेशक, आयुर्वेद विभाग, डॉ. महेश नायक, प्रतिनिधि, निदेशक, होम्योपैथी विभाग एवं डॉ. राकेश शर्मा, चीफ प्रॉक्टर एवं एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर उपस्थित थे।

चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति महोदय से चांसलर स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राएं

	आयुर्वेद	होम्योपैथी	यूनानी	प्राकृतिक व योग चिकित्सा	बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग
चांसलर स्वर्ण पदक व वरीयता	कल्पना यादव	शिवानी अग्रवाल	उम्मे ऐमन	राम लाल	सुमन
में प्रथम स्थान वर्ष 2018					
वरीयता में द्वितीय स्थान	गरिमा गुप्ता	दिनेश सुरा	आमिरा फातिमा अलवी	मनीषा साहू	नीलम गोस्वामी
वर्ष 2018					
वरीयता में तृतीय स्थान	आयुषी खण्डेलवाल	महिमा देवानी	उजमा हुसेन	विजय कुमार वर्मा	कमलेश
वर्ष 2018					

कुलपति महोदय व शिक्षकों द्वारा प्रदत्त व मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा आयोजित व्याख्यान व शोध पत्र प्रकाशन

- > Hon'ble VC Prof. Dr. Abhimanyu Kumar delivered Lecture on Nutrition in Adolescent: Requirement & Attainment on 31 March 2021 in National Webinar on AYUSH Application for Nutirtional Support: India@75 org. by National Institute of Ayurveda, Jaipur
- > Dr. Prem Prakash Vyas, HoD, PG Dept. of Kaumarbhritya presented lecture on Vitiligo- Ayurveda Management at the 40th International Conference on 6 February 2021 organized by Association of Ayurvedic Professionals of North America (AAPNA),inc. USA
- > Dr. Rakesh Kumar Sharma, Associate Professor & X-HoD, PG Dept. of Rachana Shaarir delivered a lecture on **Teaching and Learning of Shaariropramaniya Shaarir** on 5 Feb. 2021 in National Teacher's Training Program organized by CCIM, New Delhi
- > Centre for Human Resource Development (CHRD) organized Online Lecture Series on Academia-Industry Collaboration. In this series Expert Speaker Dr. CK Katiyar, CEO (Technical), Emami Healthcare Ltd. (Zandu Brand) delivered knowledgeful lectures on Possible Areas of Academia Industry Collaboration on 20 February 2021 & on Opportunities & Outcomes of Academia-industry Collaboration in Ayurveda on 6 March 2021. Hon'ble Vice Chancellor Prof. Dr. Abhimanyu Kumar was also present in these lectures.
- > Dr. Rakesh Sharma, Associate Professor & X-Hod, PG Dept. of Rachana Shaarir, Dr. Brahmanand Sharma, Associate Profesor, PG Dept. of Kayachikitsa, Dr. Suljeet, MD Scholar, PG Dept. of Rachana Shaarir published a Research Paper entitled A Critical Review of Purishadhara Kalaa in Jorunal of Ayurved, Herbal Medicine & Innovative Research (EIJO-AHMIR) Vol-6 Issue-2
- > Dr. Prem Prakash Vyas, HoD, Dr. Harish Kumar Singhal, Associate Professor, Dr. Dinesh Kumar Rai, Assistant Professor and Dr. Kumari U., MD Scholar, PG Dept. of Bala Roga published a Review Article entitled Management of Childhood Obesity in Ayurveda in Journal of Natural & Ayurvedic Medicine (JONAM) Vol. 5 Issue 1.

संरक्षक	उप संरक्षक	सम्पादक	सह–सम्पादक				
प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार	श्रीमती सीमा कविया RAS	9	डॉ. अरुण दाधीच	डॉ. हरीश सिंघल	डॉ.मोनिका वर्मा		
कुलपति	कुलसचिव	एसोसिएट प्रोफेसर	्रसोसिएट प्रोफेसर		असिस्टेण्ट प्रोफेसर		
		रचना शारीर व चीफ प्रॉक्टर			मौलिक सिद्धान्त		
सम्पर्कः डॉ. सर्वपर	सम्पर्कः डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)						
Phone: 0291-2795312, Fax:0291-2795300 E-mail: rau_jodhpur@yahoo.co.in Website: www.education.rajasthan.gov.in/raujodhpur							
		आयुर्वेद विश्वविद्यालय,	सेवा में	प्रिण्टेड बुक भारत	ा सरकार की सेवाथ [ं]		
जोधपुर के लिए डॉ. राकेश कुमार शर्मी, एसोसिएट प्रोफेंसर, रचना शारीर							
विभाग द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित तथा विजय प्रिन्टर्स, त्रिपोलिया बाजार,							
जोधपुर से मुद्रित एवं	डाँ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण						
	प्रकाशित। सम्पादकः						